# <u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

## विज्ञान अकादमी और सोसाइटी एसोसिएशन साइंस ब्रेकथ्रूज़: पेड न्यूज़, फेक न्यूज़ एंड एथिक्स पर कार्यशाला

**20** फरवरी **2019,** नई दिल्ली: मीडिया में दिखाई देने वाली वैज्ञानिक उपलब्धियों की रिपोर्ट हमेशा पाठकों की जिज्ञासा को बढ़ाती है। लेकिन, क्या होगा यदि समाचार को तोड़ मरोड़ कर आपके सामने व्यक्त किया जाए? विज्ञान समाचार प्रसारण में इस प्रकार की तोड़ मरोड़ और ऐसी ही अनेक अनैतिक व्यवहार एक वैश्विक समस्या है|

विज्ञान संचार में पेड समाचार, नकली समाचार और अनैतिकता जैसी समस्याओं के समाधान खोजने के लिए दी एसोसिएशन ऑफ़ एकेडमीज एंड सोसाइटीज ऑफ़ साइंसेज इन साउथ एशिया(आसा), आसा स्पेशल कमेटी ऑन साइंस कम्युनिकेशन, इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (इन्सा), सीएसआईआर-नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन एंड इनफार्मेशन रिसोर्सेज (सीएसआईआर-निस्केयर) और दी इंटर एकेडमी पार्टनरशिप; संयुक्त रूप से मिलकर 20-22 फरवरी, 2019 को होटल शांति पैलेस में "साझा संचार, साइंस ब्रेकथ्रूज़: पेड न्यूज़, फेक न्यूज़ एंड एथिक्स" पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन कर रहे हैं।

दी एसोसिएशन ऑफ़ एकेडमीज एंड सोसाइटीज ऑफ़ साइंसेज इन एशिया (आसा) एशिया और ऑस्ट्रेलेशिया में वैज्ञानिक और तकनीकी अकादमियों के बीच एकजुटता और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया था, जिसमें वर्तमान में 30 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली 34 सदस्य अकादमी हैं।

आसा स्पेशल कमेटी ऑन साइंस कम्युनिकेशन, आसा की एक पहल है जिसका उद्देश्य इसके सदस्यीय देशों में शिक्षाविदों के द्वारा विज्ञान, स्वास्थ्य, कृषि, जोखिम और पर्यावरण के क्षेत्र में संचार को बढ़ावा देना है।

इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (इन्सा) भारतीय विज्ञान की शीर्ष संस्था है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी की सभी शाखाओं का प्रतिनिधित्व करती है।

सीएसआईआर-नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन एंड इनफार्मेशन रिसोर्सेज (सीएसआईआर-निस्केयर), नई दिल्ली एक ऐसा प्रमुख संस्थान है जो पिछले ६ दशकों से अधिक समय से वैज्ञानिक समुदाय और जनसामान्य के मध्य वैज्ञानिक संवाद कर रहा है। यह संस्थान देश का एकमात्र संगठन है जो 18 पीयर-रिव्यू जर्नल के माध्यम से आर एंड डी सूचनाओं का प्रसार करता है और विज्ञान को व्यापक रूप से लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाओं के माध्यम से जनता तक ले जाता है।

कार्यशाला में सात एशियाई देशों; साउथ कोरिया, थाईलैंड, वियतनाम, चीन, नेपाल, इंडोनेशिया और भारत के विज्ञान संचारक, नीति निर्धारक और वैज्ञानिकों सहित लगभग 50 विशेषज्ञ भाग लेंगे।

तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विज्ञान की सफलताओं पर नकली समाचारों का प्रभाव, डिजिटल युग में गलत सूचना, भुगतान और नकली समाचारों का प्रसार, नैतिक आयाम आदि सहित विविध विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

मीडिया संपर्क: जी महेश, gmahesh@niscair.res.in, 9818911540